पुष्कर **नवांश** और पुष्कर भाग उन विषयों में से एक हैं जिन्हें प्राय: कहीं भी फलकथन में शामिल नहीं किया गया है।

इस तथ्य के कारण कि **वृहद् पाराशर होरा शास्त्र** या अन्य ज्योतिषीय **ग्रन्थ** में इसके बारे में कुछ भी नहीं दिया गया है मुख्यत: इसका उपयोग नहीं किया जाता है जबकि देवकरलम जैसे नाड़ी **ग्रन्थ** और विद्या माधव जैसे लेखकों द्वारा इसका उपयोग अक्सर किया जाता है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि एक नवांश 3 डिग्री 20 का होता है आप राशि और डिग्री की पहचान करने के लिए देख सकते हैं कि एक ग्रह पुष्कर नवांश में कैसे होता है।

Total 24 Pushkar Navamsa.

प्रत्येक राशि में 2 पुष्कर नवांश, अर्थात्

12 राशि गुणा 2 कुल 24 पुष्कर नवांश।

इनके स्वामी शुभ ग्रह ही हुए, यथा चन्द्र, बुध, गुरू, शुक्र अर्थात् नवांशेश शुभ ग्रह होते हैं।

अग्नि, पृथ्वी, वायु व जल के आधार पर याद रखा जा सकता है।

अग्नि राशि पुष्कर तालिका							
राशि	नवांश	नवांश राशि	पुष्कर नवांश अंश कला	पुष्कर भाग अंश	जातक पारिजात अंश	विवरण	नामाक्षर
मेष	7 वां	तुला	20–00 से 23–20	21	21	भरणी–3	ले
	9 वां	धनु	26–40 से 30–00			कृतिका–1	अ
सिंह	7 वां	तुला	20–00 से 23–20	21	19	पू.फा.–3	टी
	9 वां	धनु	26–40 से 30–00			उ.फा.–1	टे
धनु	7 वां	तुला	20–00 से 23–20	21	23	पू.षा.–3	फ
	9 वां	धनु	26–40 से 30–00 वर्गोत्तम			उ.षा.–1	भे

पृथ्वी राशि पुष्कर तालिका							
राशि	नवांश	नवांश राशि	पुष्कर नवांश अंश कला	पुष्कर भाग अंश	जातक पारिजात अंश	विवरण	नामाक्षर
वृषभ	3 रा	मीन	06–40 से 10–00			कृतिका–4	ए
	5 वां	वृषभ	13–20 से 16–40 वर्गोत्तम	14	14	रोहिणी–2	व
कन्या	3 रा	मीन	06–40 से 10–00		09	उ.फा.–4	पी
	5 वां	वृषभ	13–20 से 16–40	14		हस्त–2	ष
मकर	3 रा	मीन	06–40 से 10–00			उ.षा.–4	जी
	5 वां	वृषभ	13–20 से 16–40	14	14	श्रवण–2	खु

वायु राशि पुष्कर तालिका							
राशि	नवांश	नवांश राशि	पुष्कर भाग अंश कला	पुष्कर भाग अंश	जातक पारिजात अंश	विवरण	नामाक्षर
मिथुन	6 ठा	मीन	16–40 से 20–00		18	आर्द्रा–4	छ
	8 वां	वृषभ	23–20 से 26–40	24		पुनर्वसु–2	को
तुला	6 ठा	मीन	16–40 से 20–00			स्वाति–4	ता
	8 वां	वृषभ	23–20 से 26–40	24	24	विशाखा–2	तू
कुम्भ	6 ठा	मीन	16–40 से 20–00		19	शतभिषा–4	सु
	8 वां	वृषभ	23–20 से 26–40	24		पू.भा.–2	सो

जल राशि पुष्कर तालिका							
राशि	नवांश	नवांश राशि	पुष्कर भाग अंश कला	पुष्कर भाग अंश	जातक पारिजात अंश	विवरण	नामाक्षर
कर्क	1 ला	कर्क	00–00 से 03–20 वर्गोत्तम			पुनर्वसु–4	ही
	3 रा	कन्या	06–40 से 10–00	7	8	पुष्य–2	हे
वृश्चिक	1 ला	कर्क	00–00 से 03–20			विशाखा–4	तो
	3 रा	कन्या	06–40 से 10–00	7	11	अनुराधा–2	नी
मीन	1 ला	कर्क	00–00 से 03–20			पू.भा.–4	दी
	3 रा	कन्या	06–40 से 10–00	7	9	उ.भा.–2	थ

- बृहस्पति 9 पुष्कर नवांश, 3 अग्नि, 3 पृथ्वी और 3 वायु तत्वों की राशियों का पुष्कर नवांशेश हैं, शुक्र 9 पुष्कर नवांश, 3 अग्नि, 3 पृथ्वी और 3 वायु तत्वों की राशियों का पुष्कर नवांशेश हैं, जबकि चंद्रमा 3 जल तत्वों की राशियों का 3 पुष्कर नवांशेश हैं तथा बुध 3 जल तत्वों की राशियों का 3 पुष्कर नवांशेश हैं।

पुष्कर नवांश **के अलावा, पुष्कर** नवांश **की सीमा के भीतर आने वाली राशि की विशिष्ट डिग्री** जिसको **पुष्कर भाग** कहते हैं, **भी विशेष है।** इन डिग्रियों में स्थित **ग्रह उत्कृष्ट परिणाम देता है।**

1/5/9 राशि में, 21 डिग्री पर स्थित **ग्रह पुष्कर भाग में भी माना जाता है**

2/6/10 राशि में, 14 डिग्री पर स्थित **ग्रह पुष्कर भाग में भी माना जाता है**

3/7/11 राशि में, 24 डिग्री पर स्थित **ग्रह पुष्कर भाग में भी माना जाता है**

4/8/12 राशि में, 7 डिग्री पर स्थित **ग्रह पुष्कर भाग में भी माना जाता है।**

याद रखें, भाग और नवांश **दोनों अलग हैं, भाग सटीक डिग्री हैं और** नवांश **03 डिग्री और 20 मिनट का है।**

ग्रहों क बल की गणना करते समय पुष्कर नवांश में एक ग्रह को दिया जा सकता **है** 1 रूप -30 विरुप (यानी डेड रूप बल और पुष्कर भाग में एक ग्रह को 2 रूप बल दिया जा सकता है।

दूसरे शब्दों में पुष्कर भाग में एक ग्रह एक महान ग्रह के रूप में दोगुना शक्तिशाली है।

पुष्कर भाग या नवांश **में जो ग्रह है वह शुभ**ता **से व्यवहार करता है भले ही वह ग्रह** निर्बल नवांश **में हो ।**

जातक पारिजात में **भी प्रत्येक राशि के लिए पुष्कर भाग का उल्लेख** किया गया **है लेकिन यह पुष्कर** नवांश **के** अन्तर्गत आ **सकता है या नहीं** यह आवश्यक नहीं है। जातक पारिजात के अनुसार पुष्कर भाग इस प्रकार है:—

अग्नि राशियों में:—

मेष 21 डिग्री

सिन्ह 19 डिग्री

धनु 23 डिग्री

पृथ्वी राशियों में:—

वृषभ 14 डिग्री

कन्या 9 डिग्री

मकर 14 डिग्री

वायु राशियों में:—

मिथुन 18 डिग्री

तुला 24 डिग्री

कुंभ 19 डिग्री

जल राशियों में:–

कर्क 8 डिग्री

वृश्चिक 11 डिग्री

मीन 9 डिग्री

यहां तक कि एक नीच ग्रह भी उच्च ग्रह की तरह फल देना शुरू कर देता है अगर यह पुष्कर नवांश और भाग दोनों में पड़ता है।

12 राशि गुणा 2 कुल 24 पुष्कर नवांश।
12 राशियों के 12 पुष्कर भाग हुए।

पुष्कर भाग केतु मंगल और बुध के नक्षत्रों में नहीं होते हैं।

पुष्कर भाग विशिष्ट डिग्री हैं जहां ग्रह अच्छे काम करने के लिए शुभ हो जाते हैं। एकदम सटीक डिग्री सकारात्मक परिणाम देती है, जबकि नवमांश भी शक्तिशाली है लेकिन डिग्री जितना नहीं है।

जातक पारिजात अध्याय 1 श्लोक 58 निम्नलिखित डिग्री का विवरण **देता है:**

विद्यामाध्वीयम्, कलामित्रम् और कलाविधानम् में कुछ और डिग्री का उल्लेख है।

Pushkara Navamsas

Sign Type	Pushkara Navamsas	Pushkara Navamsa Divisions	Pushkara Bhagas (degrees)
Fire	Libra and Sagittarius	7th and 9th	21°
Earth	Taurus and Pisces	3rd and 5th	14°
Air	Taurus and Pisces	6th and 8th	24°
Water	Virgo and Cancer	1st and 3rd	7°

यदि चन्द्रमा वृष राशि में 14 डिग्री का हो तो यह पुष्कर नवांश, वर्गोत्तम नवांश, तथा पुष्कर भाग तीनों में होगा।

पुष्कर नवमांश और पुष्कर भाग का उपयोगः–

जातक पारिजात का कहना है कि पुष्कर का इस्तेमाल जातक, मुहूर्त और प्रश्नज्ञान विषयों में किया जाना चाहिए।

जन्म कुण्डली में:—

प्रत्येक राशि के 2 पुष्कर नवांश होते हैं।

वृष, कर्क व धनु में पुष्कर नवांश वर्गोत्तम भी होता है जो इस प्रकार है:—

(1) **वृष** :— 13—20 से 16—40 अंशादि —रोहिणी द्वितीय चरण— 'व' नामाक्षर। (वरूण, वन्दना)

चन्द्रमा इस नवांश में होने पर:—

अच्छा वक्ता, अच्छी आदतें, बड़ी आंखें व कुछ स्वास्थ्य हानि वाला। **मां और मामा पर प्रभाव डालता है।**

यदि चन्द्रमा वृष राशि में 14 डिग्री का हो तो यह पुष्कर नवांश, वर्गोत्तम नवांश, तथा पुष्कर भाग तीनों में होगा। 'व' नामाक्षर। (वरूण, वन्दना)

———————————————————————————————

(2) कर्कः– 0–00 से 3–20 अंशादि – पुनर्वसु चतुर्थ चरण– 'ही' नामाक्षर। (हीरालाल, हिना)

चन्द्रमा इस नवांश में होने परः–

अच्छा वक्ता, सुन्दर व विपरीत सैक्स के प्रति आकर्षण वाला। अच्छा फल प्राप्त होता है।

---

(3) धनुः– 26–40 से 30–00 अंशादि– उत्तराषाढा प्रथम चरण–'भे' नामाक्षर। (भैराराम, भैरवी)

चन्द्रमा इस नवांश में होने परः–

बुद्धिमान, दानी, बड़ों द्वारा सराहा जाने वाला। अच्छा फल प्राप्त होता है।

1–लग्न, लग्नेश व दशमेश पुष्कर में हो तो बली होते हैं तथा जातक को सौभाग्यशाली बनाते हैं। जितने अधिक ग्रह पुष्कर में होते हैं उतनी ही कुण्डली प्रबल होती है।

2–पुष्कर नवांश व पुष्कर भाग दोनों में कोई ग्रह हो, लग्नेश हो तथा ग्रह जिस भाव का कारक हो तो पूरी कुण्डली को व उस भाव को बली करता है व प्रभाव को बढाता है।

3–यदि दशानाथ और भाव मध्य का स्वामी यदि पुष्कर नवांश में हो तो इन दोनों से सम्बन्धित फलों की मात्रा में वृद्धि होती है और इनका विशेष फल प्राप्त होता है।

4–योगकारक ग्रह यदि पुष्कर में हो तो इनकी दशाओं में बहुत श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होते हैं।

5–जो ग्रह सटीक डिग्री पर हों वे बहुत बली हो जाते हैं। यदि सूर्य उच्च राशि मेष में 21 डिग्री का हो तो यह पुष्कर नवांश व पुष्कर भाग दोनों में हुआ, परन्तु यह सूर्य अपनी नीच राशि के नवांश में भी हुआ, यहां पुष्कर के कारण से सूर्य को बल प्राप्त हो जाता है, वह निर्बल नहीं रहता है और अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं।

6–यदि जातक का व जातक के जीवन साथी का लग्नेश यदि पुष्कर में हो तो दोनों एक दूसरे को समझने की क्षमता रखते हैं और उनका वैवाहिक जीवन मधुरता भरा व लम्बा चलने वाला होता है।

7–यदि कारक शुक्र व बृहस्पति पुष्कर में होते हैं तों अच्छा जीवन साथी प्राप्त होता है।

8–यदि किसी स्त्री की कुण्डली में बृहस्पति पुष्कर में हो तो उसे अच्छे जीवन साथी व सन्तान की प्राप्ति होती है।

9–गोचर में जो ग्रह अच्छे भाव व पुष्कर में संचरण करते हैं वे अच्छे फल प्रदान करते हैं तथा बुरे फलों में कमी करते है।

10–कुल 24 पुष्कर नवांश व 12 पुष्कर भाग होते हैं। प्रत्येक 1 घण्टे में एक पुष्कर नवांश होता है तथा प्रत्येक 2 घण्टे में एक पुष्कर भाग होता है। मुहूर्त के विषय में वह समय लिया जा सकता है जिसमे पुष्कर नवांश व पुष्कर भाग में उदित लग्न, लग्नेश या कोई विचारणीय भावेश हो तो वह मुहूर्त शुभ होगा।

11–यदि प्रश्न लग्न व सम्बन्धित प्रश्न का भावेश पुष्कर में हो तो पृच्छक का कार्य सिद्ध होता है।

12–यदि प्रश्नकारक ग्रह दुःस्थान में यथा अष्टम भाव में हो तथा वह ग्रह पुष्कर में भी हो तो हम कह सकते हैं कि पूर्ण सफलता नहीं प्राप्त होगी।

अभिनेता धर्मेन्द्र की कुण्डली में कला का कारक व दशमेश शुक्र वृश्चिक में 1 डिग्री में है जो पुष्कर नवांश में है।

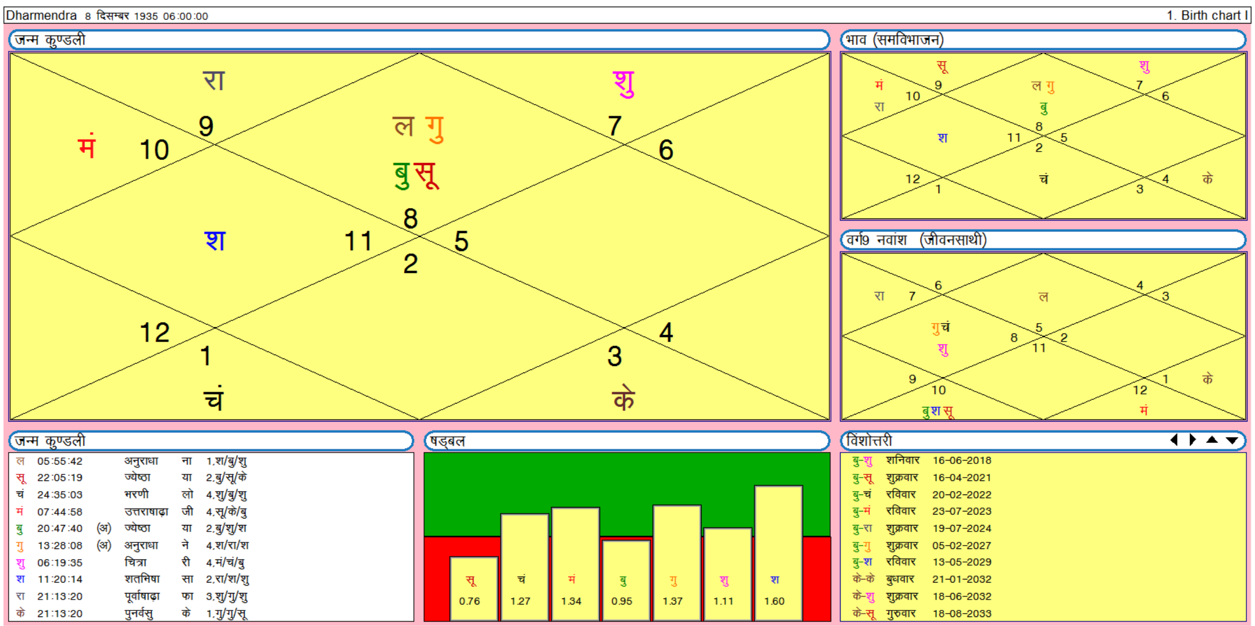

अभिनेत्री मीना कुमारी की कुण्डली में चन्द्रमा सूर्य के साथ अस्त व निर्बल है। यह कर्क राशि में 1 डिग्री 51 कला पर है जो पुष्कर नवांश में है।

Meena Kumari 1 अगस्त 1932 11:55:00 | 1. Birth chart I

जन्म कुण्डली

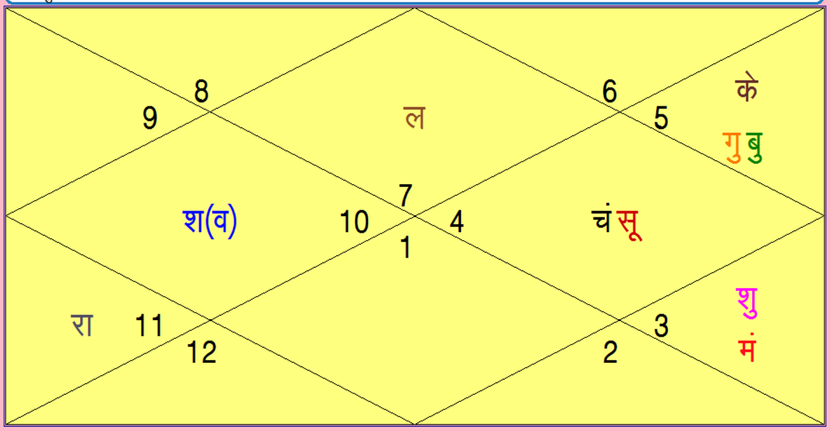

भाव (समविभाजन)

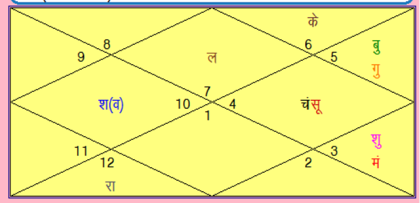

वर्ग9 नवांश (जीवनसाथी)

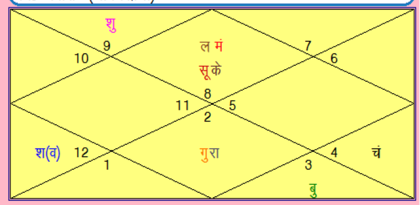

जन्म कुण्डली

ल	04:08:29		चित्रा	री	4,मं/शु/श
सू	15:48:59		पुष्य	डा	4,श/गु/शु
चं	01:51:13		पुनर्वसु	ही	4,गु/रा/गु
मं	04:43:55		मृगशिरा	की	4,मं/शु/बु
बु	08:36:39		मघा	मू	3,के/गु/शु
गु	04:55:38		मघा	मी	2,के/मं/रा
शु	08:27:44		आर्द्रा	कू	1,रा/रा/चं
श	07:56:46	(व)	उत्तराषाढ़ा	जी	4,सू/शु/शु
रा	26:04:28		पू.भाद्रपद	सो	2,गु/के/मं
के	26:04:28		पूर्वाफाल्गुनी	टू	4,शु/के/सू

षड्बल

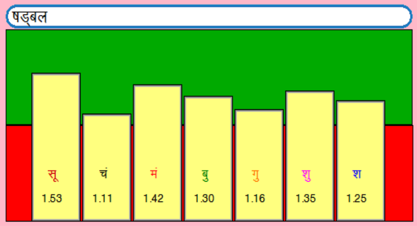

विंशोत्तरी

मं-शु	बुधवार	04-04-2018
मं-सू	बुधवार	05-06-2019
मं-चं	गुरुवार	10-10-2019
रा-रा	रविवार	10-05-2020
रा-गु	रविवार	22-01-2023
रा-श	सोमवार	16-06-2025
रा-बु	शनिवार	22-04-2028
रा-के	शनिवार	09-11-2030
रा-शु	शुक्रवार	28-11-2031
रा-सू	मंगलवार	28-11-2034